

# *Examination for Social Selection and Placement*

B.Ed. Second year  
Paper 4- Assessment for Learning  
Unit - I

Mrs. Neela Chaudhary IASE, Bilaspur (C.G.)

# Examination

- Assessment has a long history of being competitive and few would dispute that examinations and tests are designed to be selective when students' performances are compared and ranked according to grades or marks. लम्बे समय से विद्यार्थियों के चयन का आधार परीक्षा, परीक्षण में उनके प्राप्तांक और उनका प्रदर्शन रहा है।
- In the past, education was for an elite, but the growth of the idea of universal education over the past century has ushered in selection for social positions on the grounds of merit rather than birth. However, it is also apparent that the opportunities to benefit from education are not evenly distributed across different social strata. वर्तमान समय में सामाजिक स्तरों का निर्माण जन्म के आधार पर न होकर चयन के आधार पर हो रहा है।
- **Competitive assessment: from examinations and tests to continuous assessment .** प्रतियोगी परीक्षाओं, अभियोग्यता परीक्षण एवं सतत आंकलन द्वारा बच्चों का चयन होता है।
- **The growth of examinations: local and global** परीक्षा द्वारा स्थानीय व वैश्विक चयन में सहायता मिलती है।

# Social Selection

- Social selection are of two types – Individual/ Group selection हम किसी बच्चों का या एक टीम का प्रतियोगिता के लिए चयन करते हैं ।
- Social Progress depends primarily upon the quality of population. समुदाय की कार्य योग्यता समाज के विकाय को दर्शाती हैं ।
- The quality of population is determined by selective forces, which are two types **social and natural forces**. समुदाय की कार्य क्षमता सामाजिक एवं प्राकृतिक कारकों से निर्धारित होती हैं ।
- **Social selection is the mode of selection of a individual's progress longitudinally or horizontally in society.** सामाजिक चयन किसी व्यक्ति का समाज में उर्ध्वाधर व क्षैतिज विकास को दर्शाता हैं ।  
उर्ध्वाधर विकास – जैसे बालक का IAS में चयन होना ।  
क्षैतिज विकास – जैसे क्रिकेट टीम का बनना ।

# Basis of Social Selection

- Based on Talent प्रतिभा के आधार पर
- Based on Position/Rank – कक्षा या प्रतियोगिता में स्थान व स्थिति के आधार पर  
in academic exam or in competitive exam
- Based on Promotion पदोन्नति के आधार पर

## Types of Social selection (Grouping)

1- Horizontal Selection – in age, citizen, interest, need, area etc. एक आयु वर्ग के बच्चों का उनकी आवश्यकता, रुचि या क्षेत्रवार चयन का होना।

2- Vertical Selection – Student, Family, Community, Area एकाएक बालक परिवार या समुदाय की स्थिति में बदलाव का होना।

# Factors affecting Social Selection

- **Size of Society – competition** समुदाय का आकार प्रतियोगिता / प्रतिद्वंदता के लिए महत्वपूर्ण कारक है।
- **Norms, rules & regulation of society** समाज की परम्पराएं, खुलापन व मान्यताएं
- **Social acceptance** सामाजिक स्वीकृति
- **Social problems** सामाजिक समस्याएं व कुरितियां
- **Educational, Industrial growth** शैक्षिक व औद्योगिक विकास
- **Globalization** व्यापक वैश्विकरण

# Means for Social Selection सामाजिक चयन के साधन

- Achievement Report प्रगति पत्रक
- %, Grade, Marks or Rank in Examination परीक्षा में प्राप्त अंक प्रतिशत व स्थान
- Selection in competition, selection in district level/ state level/national level/ international level in different fields of ability विभिन्न क्षेत्रों में योग्यता के आधार पर प्रतियोगिता
- Interview, Aptitude test, Entrance Exam etc. साक्षात्कार, प्रवेश व कौशल परीक्षाएं
- Poster/ paper presentation प्रदर्शन व प्रस्तुतीकरण
- Group discussion समूह चर्चा
- Cultural programmes/gathering सांस्कृतिक साहित्यिक सामूहिक कार्यक्रम
- Participation in seminar/conference/workshops

# Placement स्थापना

- Placement is a role of individual's / person's in Society – which is known by his occupation and work type. समाज में विभिन्न साधनों द्वारा चयन पश्चात् कार्य का विभाजन / प्रदाय करना ही स्थापन है।
- Placement is followed by examination and different selection process.
- Placement done in two purpose – to select subject stream, to selection of career or occupation. यह विषय के एवं व्यवसाय के चयन में काम आता है।

# Role of Examination in Social Selection & Placement

- To Search of Talent प्रतिभा की खोज
- Exam for discrimination of achievement विभेदन के लिए
- Identification of ability, interest, attitude, value and aptitude in students पहचान के लिए
- Identification & diagnosis of difficulty level कठिनाई के निदान में
- To develop confidence level आत्मविश्वास के विकास में
- To prepare competition प्रतियोगिता की तैयारी में
- To give special training, resources, methodology विशेष प्रशिक्षण व सहायता प्रदान करने में
- To motivate प्रोत्साहन व निर्देशन में
- For remedial Teaching उपचारात्मक शिक्षण में।